मोरान समुदाय

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

असम के **तिनसुकिया ज़िले (**जो तेल, कोयला और चाय से समृद्ध क्षेत्र है) में **मोरान समुदाय** ने अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा पाने की मांग को लेकर आर्थिक नाकेबंदी शुरू की है, जिसके तहत क्षेत्र से वस्तुओं की आवाजाही रोक दी गई है।

- **परिचय: मोरान समुदाय** असम की एक आदिम **जनजाति** है, जिनका **अहोम शासन** से पहले अपना स्वतंत्र राज्य हुआ करता था।
- **धार्मिक संबद्धता:** 17वीं शताब्दी में अनिरुद्धदेव ने उन्हें **वैष्णव धर्म** में परिवर्तित किया, जिससे उनके सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्जागरण की शुरुआत हुई।
- ये वैष्णव धर्म के **मोआमोरिया संप्रदाय** से संबंधित हैं और अरुणाचल प्रदेश के **नामसाई ज़िले में उनकी एक छोटी आबादी निवास** करती है।
- **अनुसूचित जनजाति का दर्जा पाने की मांग:** मोरान समुदाय उन छह समुदायों में से एक है (**चाय जनजाति/आदिवासी, मोटोक, ताई अहोम, चुटिया और कोच-राजबोंगशी** के साथ), जो ST दर्जे की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।
- **हालिया घटनाक्रम:** मार्च 2025 में असम सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में रहने वाले**मोरान समुदाय के सदस्यों को स्थायी निवास प्रमाण पत्र (PRC)** जारी करने के अपने निर्णय की घोषणा की।

और पढ़ें: मोरान समुदाय के लिये PRC

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/moran-community-1